

राजस्थान पत्रिका



शुद्ध, मंगलवार, 14 अक्टूबर, 2025 | कार्तिक कृष्ण पक्ष अष्टमी संवत् 2082

य एषु सुरैषु जागर्ति
सर्ग 04 | अंक 10 | पृष्ठ 18 | मूल्य 5.00
patrika.com | /rajasthanpatrika
#breakingnews | /rajasthan_patrika
राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़,
कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम
बंगाल और दिल्ली से प्रकाशित

खिलाड़ी अच्छे हैं पर परिणाम पाने के लिए टीम संयोजन सही करना होगा
@स्पोर्ट्स &गेमिंग



वैज्ञानिकों का दावा, डिप्रेशन का कारण दिमाग की सिर्फ दो...
@इडिया &वर्ल्ड



चांदी एक महीने में 50,000 रुपए महंगी, सोना 15,000 रुपए चढ़ा
@बिजनेस &वैल्थ

सीरी में शुरू हुई अंतरराष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी, 6जी तकनीक पर मंथन 6जी वैश्विक क्रांति के लिए देश के शोध एवं शिक्षा संस्थानों को मिलकर काम करना होगा



पिलानी सीरी संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते अतिथि तथा वैज्ञानिक



पिलानी सीरी संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते अतिथि तथा वैज्ञानिक



पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पिलानी. केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) में सोमवार को तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी 'माइक्रोवेव, मिलीमीटर वेव एंड बियाॅण्ड टेक्नोलॉजीज फॉर कनेक्टेड फ्यूचर' का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन भारत 6जी एलायंस के महानिदेशक राजेश कुमार पाठक के मुख्य अतिथ्य में हुआ, जबकि एनटीयू, सिंगापुर के प्रो. शील आदित्य विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्य अतिथि पाठक ने भारत की 6जी तकनीक के लिए तैयार की जा रही रणनीतिक रूपरेखा, अनुसंधान पहलों और तकनीकी प्रगति पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि संचार प्रौद्योगिकी के बदलते आयाम आने वाले समय में मानव जीवन में व्यापक परिवर्तन लाएंगे। उन्होंने कहा कि 6जी वैश्विक क्रांति के लिए देश के शोध एवं शिक्षा संस्थानों को मिलकर काम करना होगा। इस दौरान सीरी निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया ने स्वागत भाषण में संस्थान के अनुसंधान क्षेत्रों एवं प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी दी। डॉ. नीरज कुमार ने संगोष्ठी के उद्देश्य पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. शुभदीप ने तकनीकी रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में तीन एमओयू का आदान-प्रदान भी किया गया। संगोष्ठी में शोध संगठनों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों और प्रमुख शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी

तकनीकी सत्र में इन्होंने रखे विचार

पहले दिन आयोजित तकनीकी सत्र में आईआईटी-दिल्ली के प्रो. अनंजन बसु व प्रो. एम. अश्वेगांवकर, आईआईएसटी त्रिवेंद्रम के प्रो. चिन्मय साहा, अस्त्र माइक्रोवेव्स के डॉ. एन.एन.एस.एस.आर.के. प्रसाद, आईआईटी-दिल्ली के प्रो. मुस्ताफिजुर रहमान और कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रो. अम्लान चक्रवर्ती ने माइक्रोवेव, एंटेना इंजीनियरिंग, रडार सिस्टम्स और क्वांटम कम्प्यूटिंग जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए।

मौजूद रहे। आयोजन का उद्देश्य उच्च आवृत्ति (हाई फ्रीक्वेंसी) एवं उन्नत संचार प्रणालियों के क्षेत्र में भारत की क्षमता को

प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र

संगोष्ठी के साथ संस्थान में प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। अतिथियों ने प्रदर्शनी का उद्घाटन कर विभिन्न औद्योगिक और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा प्रदर्शित माइक्रोवेव और संचार तकनीकों पर आधारित नवीन समाधान देखे। इस अवसर पर सीएसआईआर-सीरी की सेमीकंडक्टर, वैक्यूम इलेक्ट्रॉनिक्स तथा एआई एवं आईओटी सक्षम साइबर-फिजिकल सिस्टम्स से जुड़ी क्षमताओं का भी अवलोकन किया गया।

सुदृढ़ बनाना और उद्योग, शोध एवं अकादमिक जगत के बीच सहयोग एवं नवाचार को प्रोत्साहित करना है।